

नाम : विनीत ठाकुर

माता : शान्ति देवी

पिता : ब्रह्मदेव ठाकुर

जन्म : बि.सं. २०३२-११-१४
ई.सं. १९७६-०३-०१

शिक्षा : बि. एड.

प्रकाशित कृति : पहिल

सेवा : शिक्षक (प्रगति आदर्श ई. स्कूल, लगनखेल, ललितपुर)

स्थायी पता : मिथिलेश्वर मौवाही-६, धनुषा, नेपाल

---

gfd M ljgLt 7fS/

dftf M zflGt]bjL

lktf M a|Xd]bj 7fS/

hGd M la=;= @)#@–!!–!$
J=;= !(&^–)#–)!

lzIff M la= P8=

k|sflzt s[ltM klxn

];jf M lzIfs - k|ult cfbz{ J= ;\s"n, nug]vn, nlntk'/ _

;yfoL ktf M ldlyn]Zj/]dfjfxL–^, wg'iff,]gkfn

२१ वीं शताब्दी में गीति क्षेत्र में एकटा नवीन आयाम

मुद्रित एल्वम मैथिली गीति सङ्ग्रह

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज



- विनीत ठाकुर

Banki Achhi Hamar Dudhak Karj

Collection of Printed Album Songs
by
Binit Thakur

प्रकाशिका	:	कालिन्दी ठाकुर
सर्वाधिकार	:	प्रकाशिका
सल्लाहकार	:	वैद्य मिथिलेश ठाकुर "मनू"
प्रकाशन वर्ष	:	वि.सं. : २०६४ माघ
		ई.सं : २००८ जनवरी
संस्करण	:	प्रथम
प्रकाशन प्रति	:	५०१
मिथिलाक्षर फन्ट	:	गंगेश गुंजन झा आ श्रवीण मिश्र
कम्प्यूटर विन्यास	:	विनीत ठाकुर
ले-आउट	:	गंगेश गुंजन झा
आवरण एवं कला	:	राम गुलाम यादब
विशेष सहयोगी	:	विजय कु.मंडल आ डा.मनोज कु.मंडल
मुद्रक	:	गौरी शंकर राउत
मूल्य	:	रुपैयाँ २५ (नेपालमे ने.रु. आ भारतमे भा.रु.)
		संस्थागत रु.१०१

सुझाबक लेल सम्पर्क पता :

विनित ठाकुर
ईमेल पता : binitthakur@yahoo.co.in
मोबाईल नं. : ०९७७-९८४१५६३४०८

Banki Achhi Hamar Dudhak Karj

Collection of Printed Album Songs

by

Binit Thakur

k|sflzsf	M sflnGbL 7fS/
;jf{wsf/	M k|sflzsf
;nfx|sf/	M]j|B ldly]nz 7fS/ æd'gÆ
k|sfzg ji{	M lj=;= M @)^$ df3
	J=;+ M @))* hgj/L
;= ;'s/0	M k|yd
k|sfzg k|lt	M %)!
ldlynfIf/ mG6	M u]uz u'hg ´f cf >jL0 ld>
sDKo'6/ ljGof;	M ljgLt 7fS/
]n–cfp6	M u]uz u'hg ´f
cfj/0 Pj+ snf	M /fd unfd ofba
lj]zi ;x]ofuL	M ljho S=d8n cf 8f=d]gfh S=d8n
db|s	M]uf|/L z's/ /fpt
d'nb	M ?]k|ofF@% -]gkfn]d]g=?= cf ef/t]d ef=?=_ ;= ;'yfut ?=!)!

;'´fas]nn ;Dks{ktf M

ljlgt 7fS/

J]dn ktf M binitthakur@yahoo.co.in

]dfafJn g= M)(&–(*$!%^#$)*

वर्ण परिचय (j0{kl/ro)

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ अं अः
c cf O J p R C[P P' Y Y' c+ cM

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण
s v u 3 ~ r 5 h ´ ` 6 7 8 9 0

त थ द ध न प फ ब भ म
t y b w g k m a e d

य र ल व श ष स ह क्ष त्र ज्ञ
o / n j z i ; x I q 1

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः
s sf ls sL S s"]s]s']sf]sf' s+ sM

क् ख् ग् घ् ङ् च् छ् ज् झ् ञ् ट् ठ् ड् ढ् ण्
s\ v\ U 3\ ~\ r\ 5\ H ´\ `\ 6\ 7\ 8\ 9\ 0\

त् थ् द् ध् न् प् फ् ब् भ् म्
t\ y\ b\ w\ G K m\ a\ e\ D

य् र् ल् व् श् ष् स् ह् क्ष्
o\ /\ n\ j\ Z i\ ;\ x\ I\

कु खु गु घु ङु चु छु जु झु ञु टु ठु डु ढु णु
S v' u: 3' ~' r' 5' h' ´' `' 6' 7' 8' 9' 0:

तु थु दु धु नु पु फु बु भु मु
T y' b' w' g: k: m' a' E d:

यु रु लु वु शु षु सु हु क्षु
¥ ? n: j' Ç N ;: X I'

कू खू गू घू ङू चू छू जू झू ञू टू ठू डू ढू णू
s" v" u" 3" ~" r" 5" h" ´" `" 6" 7" 8" 9" 0"

तू थू दू धू नू पू फू बू भू मू
t" y" b" w" g" k" m" a" e" d"

यू रू लू वू शू षू सू हू क्षू
o /' n" j" z" i" ;" x" I"

@! jL ztfabL]d uLlt]Iq]d Ps6f gjLg cfofd
dlb|t Pnd/]d|lynL uLlt ;~lu|x

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

বাঁকী অছি হমর দূধক কর্জ

বাঁকী অছি হমর দূধক কর্জ



]sxg ;kgf xd dLtf]bv]nf|F]ef/]d
dfo ldlynf hufaly e/n]gf/]d
sxly /]g j]g 3'dL ckg clwsf/]nn
]5| t"F;:tn 5'aw 5L]tfx/ larf/]nn

- রিনীত ঠাকুর

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

sl`\rsyg

hflx dfl6 ;FdxfzlQ{ euj tL hggL hfgsL]d|lynL ;Vf/ dfgj ?k]d kšb6]enLx,]j|x e"ld yLs ldlynf . Xg]s cgsDkf ;F Plx dfl6]d kf|rLg sfnlx ;F c]gs lje"lt]nfslgs kf|b'ef{]enlGx cl5 . ldlynf]d p tkGg ;a]uf]6]d|lyn sx]j|t 5ly .]t| x]/s ldlynfs jfn, j[4, jlg tfs k/d sQ{b 5lGx cf ;dos dfu cl5]h]x]gkfns]d|lyn]nfslg cf]af hfu" clwsf/ kf|lKt s]nn . ;:tn /xnf ;Fslx]of glx]e6t clwsf/ . cfu" a9" ldlynf]d|lyns vfl t/, ckg clwsf/s vfl t/ cf ldlynfs zfgs vfl t/ . cfj plr t ;do cflj]u]n|s cl5]h xd;a]d|lyn]nfslg Ps h"6tf]bvf æafS cl5 xd/ b"ws sh{ sxlgxf/ dfo]d|lynLs cGt]j{gf]s a'´]ofs .]o|x efjgf ;F]k|8t eA Ps]d|lynL kq ljgLt 7fS/ ckg clwsf/ kf|Kt s/jfs]nn uLts dfWod ;Fpb]afwg s/afs kbf; sonlGx cl5 ;fylx hfltut]eb–efj]5fl/]d|lyn ldlynf cl5 xd/ zfg J a'´afs]nn lj]zi ?]k cfuk s]/|t 5ly . Ps/ cnfjf ljgLt 7fS/ bVf lnlv t ljleGg uLt]d jg ljgfz sQf{ dfgj]s]bvf sA kl/0fds efuL Ys]/ a]gafs kbf; aXt gLs 5lGx .

cfO sflnx s]a6f]nfslgs ;f;/s k|t ´'sfj cf dfo–afks k|t dgd6fjs ;mn cf ;6Ls lrq0 sonlGx cl5 . ;fylx b?kLjf cf cu]/lhof klts, OG6]g{s sdfns rbfl6u ;FÇ?]xfdo jnf]kbl sxfgLs ;mn j0{g s/A]d uLtsf/ kydlx kbf;]d ;mn]enfx cl5 . uLtsf/s k|l't ljleGg uLt]d dfo]d|lynLs k|t els\t,]jbgf, s?0f cf jbyf ;f/efljs ?k]d uLts ?k nA sA jbs\t]en cl5 . ;fd/ej]s uLts ?k]d kš6 sA cfltds zflGt k|Kt s/jfs >L 7fS/ kbf; sonlGx cl5 cf Plx sfo{]d ;mn];]xf]enfx cl5 .

/]dz ´f, ;x kf|Wofks
;';\s[t]gjf/L lz I 0 ;ldlt
lqrGb| sf]nh, sf7df08",]gkfn

कञ्चिकथन

जाहि माटि सँ महाशक्ति भगवती जननी जानकी मैथिली स्वतः मानुष रुप में प्रकट भेलीह, वैह भूमि थीक मिथिला । हुनके अनुकम्पा सँ एहि माटि में प्राचीन कालहिं सँ अनेक विभूति लोकनिक प्रादुर्भाव भेलन्हि अछि । मिथिला में उत्पन्न सबगोटे मैथिल कहवैत छथि । तैं हरेक मिथिलाक वाल, वृद्ध, वनिताक परम कर्त्तव्य छन्हि आ समयक मांग अछि जे हे नेपालक मैथिल लोकनि आबो जागू अधिकार प्राप्तिक लेल । सुतल रहला सँ कहियो नहि भेटत अधिकार । आगू बढू मिथिला मैथिलक खातिर, अपन अधिकारक खातिर आ मिथिलाक शानक खातिर । आव उचित समय आवि गेलैक अछि जे हमसब मैथिल लोकनि एक जूटता देखा "बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज" कहनिहार माय मैथिलीक अन्तर्वेदना कें बुझियौक । यैह भावना सँ प्रेड़ित भऽ एक मैथिली पुत्र विनीत ठाकुर अपन अधिकार प्राप्त करवाक लेल गीतक माध्यम सँ उद्‌बोधन करबाक प्रयास कयलन्हि अछि साथहिं जातिगत भेद-भाव छोरि मैथिल मिथिला अछि हमर शान ई बुझबाक लेल विशेष रुपें आग्रह करैत छथि । एकर अलावा विनीत ठाकुर द्वारा लिखित विभिन्न गीत में वन विनाश कर्त्ता मानव के देखा कऽ परिणामक भागी ओकरे बनेबाक प्रयास बहुत नीक छन्हि ।

आइ काल्हिक बेटा लोकनिक सासुरक प्रति झुकाव आ माय-बापक प्रति मनमुटावक सफल आ सटीक चित्रण कयलन्हि अछि । साथहि दरुपीवा आ अंगरेजिया पतिक, इन्टर्नेटक कमालक च्याटिंग सँ शुरु होमय वला प्रेम कहानीक सफल वर्णन करऽ में गीतकार प्रथमहि प्रयास में सफल भेलाह अछि । गीतकारक प्रस्तुत विभिन्न गीत में माय मैथिलीक प्रति भक्ति, वेदना, करुणा आ व्यथा स्वाभाविक रुप में गीतक रुप लऽ कऽ व्यक्त भेल अछि । स्वानुभव कें गीतक रुपमे प्रकट कऽ आत्मिक शान्ति प्राप्त करवाक श्री ठाकुर प्रयास कयलन्हि अछि आ एहि कार्य में सफल सेहो भेलाह अछि ।

रमेश झा, सह प्राध्यापक
संस्कृत नेवारी शिक्षण समिति
त्रिचन्द्र कालेज, काठमाण्डू, नेपाल

b" zab

æafSL cl5 xd/ b"ws sh{ J sxj 5lGx dfo ldlynfe"ld]s .]t]x]dlyn]nfslg cyjf]x d]wzL ;dfh cfO sfnXs @!jL ztfabL]d ;a ju{ of hflt ckg ckg clwsf/s /Ifs Y/ clwsf/ kflKts]xT Pstf a4 cf gL8/ eA sA cxlgz{ kbtgzLn cl5, ctl xdXFcfKf Psh"6 cf lgeL{s eA clwsf/ kflKts]xT ttk/]xfJ]; cfux{ uLts dfWd ;Fs/a4 kfy{f sA /xn 5L .]kfyLs cGt]d ls5' ggu/ cf rx6u/ uLt ;e];]xf /fvn]un cl5 . tlxgf]bjgfu/L lnkLs ldlynfI/]d ?kfGt/ s/afs]nn >L u]uz u:`hg ´f hL sGe6{ agfsA ;x]ofu]s]nlGx cl5 tflx]nn Xgsf wGojfb . cÏ' ho ldlynf ho]dlyn .

Olt Çed\.

>4fjgt
ljgLt 7fS/

दू शब्द

“बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज” ई कहव छन्हि माय मिथिलाभूमिं कें । तैं हे मैथिल लोकनि अथवा हे मधेशी समाज आइ काल्हुक २१वीं शताब्दी में सब वर्ग या जाति अपन अपन अधिकारक रक्षाक और अधिकार प्राप्तिक हेतु एकता बद्ध आ नीडर भऽ कऽ अहर्निश प्रयत्नशील अछि, अतः हमहुँ आँहा एकजूट आ निर्भीक भऽ अधिकार प्राप्तिक हेतु तत्पर होई से आग्रह गीतक माध्यम सँ करबद्ध प्रार्थना कऽ रहल छी। पोथीक अन्तमे किछु नुनगर आ चहटगर गीत सभ सेहो राखलगेल अछि । तहिना देवनागरी लिपीक मिथिलाक्षर में रुपान्तर करबाकलेल श्री गंगेश गुंजन झा जी कन्भर्टर बनाकऽ सहयोग केलैन्हि अछि ताहिलेल हुनका धन्यवाद । अस्तु जय मिथिला जय मैथिल ।

इति शुभम् ।

श्रद्धावनत
विनीत ठाकुर

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

बाँकी आँखि हुस्र दृढक कढ

afs] cl5 xd/ b"ws sh{

ulIt >[vnf

!: e/n]gf/]d

@: ufd–gu/]d

#:]sf]/f cf kfl9

$: rXIfz cdËn

%:]h s/ly]3f6fnf

^: hfO t s 6's/L

&:]a6Ls efUo lj wfg

*: sDKo"6/s b'lgof

(: cË]/lhof

!): t fn ld;/L

बाँकी आँखि हुस्र दृढक कढ

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

गीति श्रृंखला

१. भरल नोर में

२. गाम-नगर में

३. कोरो आ पाढि

४. चहुँदिश अमङ्गल

५. जे करथि घोटाला

६. जाइतक टुकरी

७. बेटीक भाग्य विधान

८. कम्प्यूटरक दुनिया

९. अङ्गरेजिया

१०. ताल मिसरी

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

बाँकी आछि हमर दुधक कर्ज

!: e/n]gf/]d

]sxg ;kgf xd dLtf]bv]nf|F]ef/]d
dfo ldlynf hufaly e/n]gf/]d
sxly /]g j]g 3'dL ckg clwsf/]nn
]5| t"F;:tn 5'aIw 5L]tfx/ larf/]nn

slg]sf aftk/ xd/f t" s]/| ljrf/
sL ;:tnf;Fss]/f]e6]n| cl5 clwsf/
]hfl/ Ps Ps xfy ag]j|]hf nf]vf xfy
s/ lxDdt t" kq l5]of| xd]tfx/ ;fy

cl5]tf/fk/ afFL xd/ b"ws sh{
s]/| Plx]a/ t" k/f ;a6f ckg mh{
]nf|6f]b xd/ cfa ckg ;lVedfg
kq t"]5| dxfg]tfx/ sd{]5f| dxfg

बाँकी आछि हमर दुधक कर्ज

१. भरल नोर में

केहन सपना हम मीता देखलौँ भोर में
माय मिथिला जगाबथि भरल नोर में
कहथि रने वने घुमी अपन अधिकार लेल
छैं तूँ सुतल छुब्ध छी तोहर बिचार लेल

कनिको बातपर हमरा तूं करै विचार
की सुतलासँ ककरो भेटलै अछि अधिकार
जोरि एक एक हाथ बनवै जो लाखों हाथ
कर हिम्मत तूं पुत्र छियौ हम तोहर साथ

अछि तोरापर बाँकी हमर दूधक कर्ज
करै एहिबेर तूं पुरा सबटा अपन फर्ज
लौटादे हमर आब अपन स्वाभिमान
पुत्र तूं छै महान तोहर कर्म छौ महान

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

बाँकी अछि हमर पूर्वक कोष

@= ufd–gu/]d

ufd–gu/]d];f/;/faf ;gn]un a8Þ]a;L]nfs tGq]d ckg clwsf/ nAsA /xt d]wzL hg;vbf ;Fhg;fu/]d]hf/n 5]nf xd ;Lwf vfsA xdX nf7L]ufnL kf/]s]nf ;a6f afwf

a6j[l s cS/ alg hgdn s]t]sf cfzf nt/n rt/n d]w;]d]x]t]g s]tf lg/fzf hfOt kfOt]d]g Y´/fsA r'ga c;nL]gtf ljsf;]d lnvt gj Jltxf; d]w;s]a6f

lx;fa ;Lwf ;als5']d 5L cfwf]s clwsf/L sfg"g]d hFJ]g lnvt tF]xfot ;d;bf ef/L d]w;s]gtf lrGX ;d;bf s?]g ckgf]d 6G6f 5L hfun clwsf/s]nn ;a d]w;L hgtf

बाँकी अछि हमर पूर्वक कोष

२. गाम-नगर में

गाम-नगर में सोरसराबा सुनल गेल बड़ बेसी
लोकतन्त्र में अपन अधिकार लऽकऽ रहत मधेशी
जनसंख्या सँ जनसागर में जोरल छलौं हम सीधा
खाकऽ हमहुं लाठी गोली पारकेलौं सबटा बाधा

बटवृक्षक अंकुर बनि जनमल कतेको आशा
लतरल चतरल मधेस मे हेतै नै कतौ निराशा
जाइत पाइत में नै ओझराकऽ चुनब असली नेता
विकास में लिखत नव ईतिहास मधेसक बेटा

हिसाब सीधा सबकिछु में छी आधा के अधिकारी
कानून मे जँ ई नै लिखत तँ होयत समस्या भारी
मधेसक नेता चिन्हु समस्या करु नै अपना में टन्टा
छी जागल अधिकारक लेल सब मधेसी जनता

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

#=]sf]/f cf kfl9

u/la]5fl/ sA]s a'´]t| u/lal]s dfl/
Y tA]k]6]nn h/]a|]5|]sf]/f cf kfl9Þ
]en]5| ;fyL{ ;a]gtf ck]g ;fyL{]d r"/
l5gn]s|]h ;kgf ;v eA]u]n|s]sf];f b"/

Ys]/ k/ ;a dxu/xf s]/]5| axl' n"6
lgsf]n|]5| Ys]/;FmfObf s/f sA m"6
/lx]t|]h Ys]/f nu ckg 1fgs avf/L
]g| alg]t| ;dfhs]nn bl/b| Y levf/L

]en]5| aX]tf 7fd ;s"n, s]nhs lgdf{0
]k6]d cku bfgf tx]g ;a ls5' lj/fg
]sf]gf]uf]6]g|]vnfR Ys/ hLjg ;F]vn
sl/Y| Ys]/f cfu" ;dfhs ljsf;s]nn

३. कोरो आ पाढि

गरीब छोरि कऽ के बुझतै गरीबीके मारि
ओ तऽ पेटे लेल जरबै छै कोरो आ पाढ़ि
भेल छै स्वार्थी सब नेता अपने स्वार्थे में चूर
छिनलकै जे सपना सुख भऽ गेलैक कोसो दूर

ओकरे पर सब मुंहगरहा करैछै ब्रह्म लूट
निकालै छै ओकरेसँ फाइदा करा कऽ फूट
रहितै जे ओकरो लग अपन ज्ञानक बखारी
नै बनितै समाजक लेल दरिद्र ओ भिखारी

भेल छै बहुतो ठाम स्कूल, कलेजक निर्माण
पेट में अपुग दाना तहने सब किछु विरान
कोनो गोटे नै खेलाऊ ओकर जीवन सँ खेल
करिऔ ओकरो आगू समाजक विकासक लेल

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

$= rXIbz cdËn

;Ifya; dfgj phf/ns Y hËn
]t} w/tL k/]bvn rXIbz cdËn
709L]d sgsgL udL{]d clws udL{
gbL gfnf]s cfa aGb eA]un ;aL{

lag]df;d]d jif{stX v]; 7gsf
]en kfy]/ ;F3fon hLjhGT pk/sf
]vt]en afnah{sd ls;fgs pahgL
vrf{]en ?]kof cl5 cfDbfgL c7GgL

]sfonLs SXSX kkLxfs lkXlkX
dlZs]n;F;gL lr]/of]s lrXlrX
]bzs wg yLs xl/o/ jg hËn
]/fk: ;a ldln w/tL k/ 5fot dËn

४. चहुँदिश अमङ्गल

स्वार्थेबस मानव उजारलक ओ जङ्गल
तैं धरती पर देखल चहुँदिश अमङ्गल
ठण्ढी में कनकनी गर्मी में अधिक गर्मी
नदी नाला के आब बन्द भऽ गेल सर्बी

बिन मौसम मे वर्षा कतहुं खसे ठनका
भेल पाथरे सँ घायल जीवजन्तु उपरका
खेत भेल बालुबुर्ज कम किसानक उबजनी
खर्चा भेल रुपैया अछि आम्दानी अठन्नी

कोयलीक कुहुंकुहुं पपीहाक पिहुंपिहुं
मुश्किलेसँ सुनी चिरैयाके चिहुंचिहुं
देशक धन थीक हरियर वन जङ्गल
रोपु सब मिलि धरती पर छायत मङ्गल

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

%=]h s/ly]3f6fnf

]h s/ly]3f6fnf 5ly cvg]afnafnf
rnt]sfgf J b'lgof sx]/ pk/afnf

ufd–gu/]d]aOdfg jg]d 3']d];tfg
dfga eA bfga jlg s]/ ;Hhgs ckdfg
cfa ;Hhgs aÏL ;a alg]un awzfnf

dbkg]d hs/n agn]nfs cledfgL
]zfl0t]en ;Ïf dxuf]en kfgL
slxof Y]5f/t dfga dbkgs Kofnf

alg zflGtb"t]sfDx]/f ; cf]/ sa"t/
k/];t t" zflGt al;]hf aÏLs eLt/
agf]b Plx b'lgof]s zflGts kf7zfnf

५. जे करथि घोटाला

जे करथि घोटाला छथि अखन बोलबाला
चलत कोना ई दुनिया कह रे उपरबाला

गाम-नगर में बैइमान वनमे घुमै सैतान
मानब भऽ दानब वनि करै सज्जनक अपमान
आब सज्जनक बस्ती सब बनिगेल बधशाला

मदपन मे जकरल बनल लोक अभिमानी
शोणित भेल सस्ता महगा भेल पानी
कहिया ओ छोरत मानब मदपनक प्याला

बनि शान्तिदूत कोम्हरो सं आ रे कबूतर
परसैत तूं शान्ति बसिजो बस्तीक भीतर
बनादे एहि दुनिया के शान्तिक पाठशाला

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

^: hfOts 6's/L

hfOts 6's/L]g| RF–gLr dxfg\
5L xd ;a]d|lyn ldlynf xd/ zfg

]xfO]5| P]s6f W/tL P]s6f cfsfz
lk]j|t 5L ;alsY]Ps6f atf;
rf]x Y kl8t]xf, kfb/L cf vfg

k;Lgf]d· rd]s|t cl5 hLjg]s/]Hoflt
sd§{ an;F u9]‡ 5L xd]dftL
;axs]nn ;do cl5 Yt]a anafg

lsg]sf dlGb/]d uf/n 5lGx kj{hs vGtL
xd/ dg–dlGb/]d· a]h|t cl5 ckg 30\L
gfrly cf;Yf]s dlGb/]d· xd]/f eujfg

बाँकी आँखि हुमर दुइक कुनै

बाँकी आँखि हुमर दुइक कुनै

६. जाइतक टुकरी

जाइतक टुकरी नै ऊँच-नीच महान्
छी हम सब मैथिल मिथिला हमर शान

होइ छै एकेटा धरती एकेटा आकाश
पिबैत छी सबकिओ एकेटा बतास
चाहे ओ पंडित हो, पादरी आ खान

पसीना में चमकैत अछि जीवनकेर ज्योति
कर्मक बलसँ गढ़ैत छी हम मोती
सबहक लेल समय अछि ओतबे बलबान

किनको मन्दिर मे गारल छन्हि पुर्वजक खन्ती
हमर मन-मन्दिर में बजैत अछि अपन घण्टी
नाचथि आस्था के मन्दिर में हमरो भगवान

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

बाँकी आँखि हसर दुईक कृप

&=]a6Ls efUo Ljwfg

aL;d a;Gt hflx 3/ aLtn];]xf 3/]en cfa cfg
lsof Ljwgf]ml/–]ml/ sA ln]v]a6Ls efUo Ljwfg

]s cfa]ef/s E?saf]d pl7 sA r'gt afus m"n
Pt]af]g|]sfgf];frnlGx afaf]sfgf k7faly]bf;/ s"n
]s afaf ;u k"hfnu]a|;]t|]s]b]t| cl/kg bnfg

cugf]d· ;hfYn d08k]blv sA dfos a]x|]gf/
]sfgf wL/h afGX]xf /fdf]blv sA]e|ofs dlng]7f/
afaf 3/;Fsflg sflg sxly stA]unL]a6L xd/ rfg

5'6n ufds ;vL]/ alxgkf ls 5'6n ;sn ;dfh
]sxg]abbL{]enXF]of| afaf cxfFlag: /xa]sfgf b"/ /fh
Ps gh/ xd]/f k/ /v]a|]of| afaf 5L glx xdx"Fcfg

बाँकी आँखि हसर दुईक कृप

७. बेटीक भाग्य विधान

बीसम बसन्त जाहि घर बीतल सेहो घर भेल आब आन
किया विधना फेरि-फेरि कऽ लिखे बेटीक भाग्य विधान

के आब भोरक भुरुकबामे उठि कऽ चुनत बागक फूल
एतबो नै कोना सोचलन्हि बाबा कोना पठाबथि दोसर कूल
के बाबा संग पूजालग बैसतै के देतै अरिपन दलान

अंगना में सजाओल मण्डप देखि कऽ मायक बहै नोर
कोना धीरज बान्हु हो रामा देखि कऽ भैयाक मलिन ठोर
बाबा घरसँ कानि कानि कहथि कतऽ गेली बेटी हमर चान

छुटल गामक सखी रे बहिनपा कि छुटल सकल समाज
केहन बेदर्दी भेलहुँ यौ बाबा अहाँ बिनु रहब कोना दूर राज
एक नजर हमरो पर रखबै यौ बाबा छी नहि हमहूँ आन

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

बाँकी अछि हमर दुइक कर्ज

*: sDKo"6/s b'lgof

JG6/]g6, J]dn sDKo"6/]s b'lgof
rb\f6LË k/]e6n xd/ nndlgof
gfd Ys/ efJ]hx]g]5| cnsf
]tx]g nlntu/]sz Ys/ nnsf

rb\f6LË;FÇ?]en gLs]kld sxfgL
]je]nG;s ;fd]g nf]u ?ks /fgL
xnsf lnlkli6s]ufn]ufn dv8Þ
nf]u Y]hgf x]F| t rfgs 6's8Þ

xfJ]x]nf| Ys/f;F]xfJ t 5L lgt lbg
ls]af8{ ;Fah]a| t 5L xd]kdls aLg
cfa rf]x 3/]d]xfJ st]af wdfsf
rn]a| ;]u ;u rf]x n]u|]sx]gf gfsf

बाँकी अछि हमर दुइक कर्ज

८. कम्प्यूटरक दुनिया

ईन्टरनेट, ईमेल कम्प्यूटर के दुनिया
च्याटीङ्ग पर भेटल हमर ललमुनिया
नाम ओकर भाई जेहने छै अलका
तेहने ललितगर केश ओकर ललका

च्याटीङ्गसँ शुरुभेल नीक प्रेम कहानी
वेभलेन्सक सामने लागे रुपक रानी
हलका लिपिष्टिक गोल गोल मुखड़ा
लागे ओ जेना हँसैत चानक टुकड़ा

हाई हेलौ ओकरासँ होईत छी नित दिन
किबोर्ड सँ बजबैत छी हम प्रेमक बीन
आब चाहे घरमे होई कतबो धमाका
चलबै संगे संग चाहे लगै केहनो नाका

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

(= cË]/lhof

];]F bf? lklasA cf]a alg cË]/lhof
s]x cfh's 8Lg/ ;g/sL nf]u al;of

]/fh axfgf agf sA s]/ xd]/ ;FrL6
lraf]a k/fu–u6sf ;fE]m eA sA mL6
xfJ]/ afa'hLs r"gn xd/ J b'lgof

s]x]t 5nXF a8Þ]th l6r/s rl6of
sx]nf]gs]n; nfaA]nn tFnfon glyof
]bv" xd/ sd{s]vn x/bL, g"g, wlgof

df]/ ;kgf]s b'lgofF]d lahnLs]sf8Þ
];]F s]/]g]sf]gf sfh r9Þ /xly]3f8Þ
]s a'´]t]u bfJ xd/ J b'lv b'lgof

बाँकी आछि हजार दुईक कफ

बाँकी आछि हजार दुईक कफ

९. अङ्गरेजिया

सैँया दारु पिबिकऽ आबे बनि अङ्गरेजिया
कहे आजुक डीनर सुनरकी लागे बसिया

रोज बहाना बना कऽ करे हमरे सँ चीट
चिबाबे पराग-गुटका साँझे भऽ कऽ फीट
हाईरे बाबुजीक चूनल हमर ई दुनिया

कहैत छलहुँ बड़ तेज टिचरक चटिया
कहलौं नेकलेस लाबऽ लेल तँ लायल नथिया
देखू हमर कर्मक खेल हरदी, नून, धनिया

मारे सपनाके दुनियाँ में बिजलीक कोड़ा
सैँया करेनै कोनो काज चढ़ल रहथि घोड़ा
के बुझतै गे दाई हमर ई दुःख दुनिया

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज

!)= tfn ld;/L

]af|X lrGgL dfJ k|Lg ;fJ/ tfn ld;/L
]en ;;L/hLs]a6f cf afk sf]6 l3;/L

b' lbg k/]af|cf ;f;L/ hfo]nn cfT/
]hgf]e6lGx]efhg]d t/n df5 efS/
;lbvg 6fsf]nn afk ;u]vnly l´´/L

6xn–l6]sf/f]g| s]/|of]af|cf]sf]gf sfh
;f;]/ cfa alg]u]n| Ys/ ckg ufd
;fJ/ ;/]xfhgL dhfs]d v'cf]a lvr8Þ

nu]n|]sxg 5' dGt/ cf]e]n|]sfg]6fgf
afE]Ls k9fJ]af|cf cfa s/tf k"/f]sfgf
];flr];flr sA]d|of cfa kyly lrk8Þ

१०. ताल मिसरी

बौहु चिन्नी माई पीनी साईर ताल मिसरी
भेल ससुरजीक बेटा आ बाप काटे घिसरी

दु दिन पर बौआ सासुर जाय लेल आतुर
जेना भेटन्हि भोजनमे तरल माछ भाकुर
सदिखन टाका लेल बाप संग खेलथि झिझरी

टहल-टिकोरा नै करैया बौआ कोनो काज
सासुरे आब बनिगेलै ओकर अपन गाम
साईर सरहोजनी मजाकमे खुआबे खिचड़ी

लगलै केहन छु मन्तर आ भेलै कोन टोना
बाँकीके पढाई बौआ आब करता पूरा कोना
सोचि सोचि कऽ मैया आब पथथि चिपड़ी

बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज